

## Regarding Power cuts in Jammu and Kashmir.

श्री हसनैन मसूदी (अनन्तनाग): जनाब, जम्मू-कश्मीर को कई संगीन मसाइल का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ा मसला है कि वहां कोई लोकशाही नहीं है, हम पिछले छः सालों से वहां अफसरशाही से जूझ रहे हैं। आज जब पाँच रियासतों में इंतेखाबात के नताईज का जश्न मनाया जा रहा है, जम्मू-कश्मीर में पिछले छः सालों से हमें इंतेखाबात का इंतज़ार है। वह एक संगीन मसला है, लेकिन आज जो वहां सबसे संगीन मसला है, वह बिजली का बोहरान है।

जनाब, हम 3215 मेगावाट बिजली पैदा करते हैं, लेकिन आजकल ठिठुरती सर्दी में, सब-जीरो टेम्परेचर में वहां पर 16 घंटे का शट-डाउन रहता है। मेरा मुतालिबा होगा कि जो बिजली की कटौती है, पहले वह रेशन्लाइज्ड की जाए।

दूसरी बात है कि एनएचपीसी के पास हमारे पावर जेनरेशन के जो हाइड्रो इलेक्ट्रिक यूनिट्स हैं, वे वापस लिए जाएं क्योंकि एनएचपीसी ने उससे बहुत पैसे हासिल किए हैं। सलाल के एग्रीमेंट के 25 सालों तक रहने की बात थी, लेकिन आज 50 सालों से वह सेन्ट्रल गवर्नमेंट के पास है। इसलिए बिजली का मसला तब तक हल नहीं होगा, जब तक हमने एनएचपीसी को जो दिए थे, चाहे वह उरी-1 हो या उरी-2 हो या बगलिहार हो या सलाल प्रोजेक्ट हो, या वहां पर जो भी हों, उन्हें हमें वापस दिए जाएं।

हमारे यहां जो एस.टी. हैं, बीपीएल हैं और जो आखिरी पायदान पर रहने वाले लोग हैं, उनसे आज भी स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली फीस हजार रुपये से ज्यादा ली जा रही है जबकि पास की रियासतों में लोगों के बिजली बिल ज़ीरो आते हैं। पंजाब में, दिल्ली में, आपका जो शासन उत्तराखण्ड में है, वहां बिजली बिल ज़ीरो आते हैं। आपने राजस्थान और मध्य प्रदेश में बिजली को कम कीमत पर देने का या ज़ीरो बिल देने का वायदा किया है, पर जम्मू-कश्मीर के साथ एक अलहदा ही व्यवहार किया जाता है जैसे कि जम्मू-कश्मीर देश का हिस्सा ही नहीं है। हमारे पास की रियासत पंजाब में वहां की आधी आबादी का ज़ीरो बिल आता है और हमारे यहां के एस.टी., बीपीएल, एस.सी., और आखिरी पायदान पर रहने वाले जो लोग हैं, उनसे बहुत बिजली बिल लिए जाते हैं।

जनाब, आपसे मेरा इतना ही मुतालिबा है कि एनएचपीसी के पास हमारे जो प्रोजेक्ट्स हैं, उन्हें उनसे वापस लिए जाएं। उनका पीरियड खत्म हो चुका है, फिर भी एनएचपीसी उसे चला रही है। दूसरी बात है कि वहां पर जो शट-डाउन है, उसे रेशन्लाइज्ड किया जाए, ताकि लोगों को वहां पर मुश्किलात का सामना न करना पड़े।

[ جناب حسنین مسعودی صاحب (اننت ناگ): شکر یہ چیرمین جناب، جموں و کشمیر کو کئی سنگین مسائل کا سامنا ہے۔ سب سے بڑا مسئلہ یہ ہے کہ وہاں جمہوریت نہیں ہے، ہم وہاں پچھلے چھ سال سے بیوروکریسی سے جوہر رہے ہیں۔ آج جب پانچ ریاستوں میں انتخابات کے نتائج کا جشن منایا جا رہا ہے، جموں و کشمیر میں ہمیں پچھلے چھ سالوں سے انتخابات کا انتظار کر رہے ہیں۔ یہ ایک سنگین مسئلہ ہے، لیکن آج سب سے سنگین مسئلہ بجلی کی کمی ہے۔

جناب، ہم 3215 میگاواٹ بجلی پیدا کرتے ہیں، لیکن آج کل شدید سردی میں، زیرو درجہ حرارت میں 16 گھنٹے کا شٹ ڈاؤن ہے۔ میرا مطالبہ ہے کہ پہلے بجلی کی جو کٹوتی ہے اس کو معقول بنایا جائے۔

دوسری بات یہ ہے کہ ہماری پاور جنریشن کے ہائیڈرو الیکٹرک یونٹس کو واپس لے لیا جائے جو نے ان سے بہت پیسے حاصل کیئے ہیں۔ سلال کا معاہدہ 25 سال NHPC کے پاس ہے کیونکہ NHPC تک چلنا تھا، لیکن آج یہ 50 سال سے مرکزی حکومت کے پاس ہے۔ لہذا بجلی کا مسئلہ اس وقت Uri-2 ہو یا Uri-1 کو جو کچھ دیا ہے، خواہ وہ NHPC تک حل نہیں ہوگا جب تک کہ ہم نے بگلیہار ہو یا سلال پروجیکٹ، یا جو کچھ بھی ہو انہیں ہمیں واپس دیا جائے۔

ہیں، بی پی ایل ہیں اور جو آخری درجے میں رہنے والے لوگ ہیں ان سے آج بھی S.T ہمارے یہاں جو اسمارٹ میٹر کے نام پر بجلی کی فیس کے طور پر ہزار روپے سے زیادہ وصول کی جا رہی ہے، جب کہ قریبی ریاستوں میں لوگوں کے بجلی کے بل صفر آتے ہیں۔ پنجاب میں، دہلی میں آپ کی جو حکومت اتراکھنڈ میں ہیں وہاں بجلی کے بل صفر آتے ہیں۔ آپ نے راجستھان اور مدھیہ پردیش میں کم قیمت یا صفر بل پر بجلی فراہم کرنے کا وعدہ کیا ہے، لیکن جموں و کشمیر کے ساتھ ایک الگ ہی سلوک کیا جاتا ہے جیسے جموں و کشمیر ملک کا حصہ نہ ہو۔ ہماری قریبی ریاست پنجاب اور آخری نمبر پر رہنے والے SC، BPL، ST میں، نصف آبادی کو بجلی کے بل صفر آتے ہیں اور ہمارے لوگوں سے بجلی کے بھاری بل وصول کیے جاتے ہیں۔

کے پاس ہیں ان سے NHPC جناب، میری آپ سے ایک ہی درخواست ہے کہ ہمارے پروجیکٹ جو اسے چلا رہی ہے۔ دوسری NHPC واپس لے لیے جائیں۔ اس کی مدت ختم ہو چکی ہے، اس کے باوجود بات یہ ہے کہ وہاں شٹ ڈاؤن کو معقول بنایا جائے، تاکہ وہاں لوگوں کو مشکلات کا سامنا نہ کرنا پڑے۔